विज्ञान के बल पर नहीं, अपितु नैतिक और आध्यात्मिक शक्तियों से करें राज्य का विकास

सम्बोधित करते हुए ब्र.कु. मृत्युंजय। मंचासीन हैं मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरण दास महन्त, नेता प्रतिपक्ष धरम लाल कौशिक, ब्र.कु. कमला दीदी तथा अन्य।

रायपुर-छ.ग.। ब्रह्माकुमारीज़ के राजनीतिक सेवा प्रभाग द्वारा शांति सरोवर में आयोजित 'मंत्रियों एवं विधायकों के सम्मान समारोह' में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि ब्रह्माकुमारी संगठन नैतिक और आध्यात्मिक मूल्यों की स्थापना की दिशा में सराहनीय कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि प्रथम विधानसभा के तत्कालीन विधानसभा अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद शुक्ल के समय से यह परम्परा बनी हुई है कि बजट सत्र के अवसर पर हम सभी ब्रह्मा भोजन के लिए यहाँ एकत्रित होते हैं। उसी परम्परा के निर्वहन के लिए हम यहाँ उपस्थित हैं। ब्रह्माकुमारीज़ के अतिरिक्त सचिव राजयोगी ब्र.कु. मृत्युंजय ने कहा कि छत्तीसगढ़ आध्यात्मिकता और सांस्कृतिक परम्पराओं से अत्यंत भरपूर राज्य है। इसका विकास विज्ञान के बल पर नहीं अपितु नैतिकता और आध्यात्मिकता के आधार पर करने की ज़रूरत है ताकि यह राज्य सारे देश के लिए रोल मॉडल बन सके। इस अवसर पर ब्र.कु. मृत्युंजय ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरण दास महन्त, नेता प्रतिपक्ष धरम लाल कौशिक तथा पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल सहित समस्त मंत्रियों और विधायकों को शॉल और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। प्रारंभ में क्षेत्रीय निदेशिका ब्र.कु. कमला दीदी ने समस्त अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय समन्वयक ब्र.कु. हेमलता, भिलाई सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. आशा भी उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ विधानसभा के सभी मंत्रियों सहित सर्व विधायकों का शांति सरोवर में सम्मान समारोह

स्वस्थ जीवन शैली के लिए उचित आहार एवं आदर्श व्यवहार - शिवानी

महिलाओं में कैंसर की जागरुकता एवं रोकथाम पर 'नेशनल ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स' प्रोग्राम का सफल आयोजन

दीप प्रज्वलित करते हुए ब्र.कु. शिवानी, डॉ. अशोक मेहता, डॉ. शुभदा नील तथा गणमान्य डॉक्टर्स।

ओ.आर.सी.-गुरूग्राम। दूसरों को हील करने से पहले स्वयं की हीलिंग ज़रूरी है। चिकित्सक शरीर के उपचार के साथ-साथ अपनी प्रसन्नता के द्वारा भी एक सकारात्मक ऊर्जा का संचार कर सकते हैं। उक्त विचार प्रसिद्ध जीवन प्रबंधन विशेषज्ञा राजयोगिनी ब्र.कु. शिवानी ने ओ.आर.सी. में महिलाओं में सर्वाइकल एवं ब्रेस्ट कैंसर के बारे में जागरुकता एवं बचाव के उपायों पर त्रिदिवसीय 'नेशनल ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स' कार्यक्रम में व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि हमारे मन की प्रसन्नता से शक्तिशाली और सकारात्मक प्रकम्पन पैदा होते हैं। हमारी खुशी का प्रभाव मरीज़ के मन पर पड़ता है और उसकी बीमारी जल्दी ठीक हो जाती है। आगे उन्होंने बताया कि स्वस्थ जीवनशैली के लिए उचित आहार और आदर्श व्यवहार का होना ज़रूरी है। चिकित्सकों को पौष्टिक आहार के साथ सात्विक आहार की बात करनी चाहिए। शाकाहारी भोजन के महत्व को जानना बहुत आवश्यक है। चिंता, भय और क्रोध भी बीमारी के प्रमुख कारण हैं। साथ ही उन्होंने सभी से प्रतिज्ञा कराई कि अपने कार्यक्षेत्र को नो एंगर ज़ोन बनायेंगे। वेलनेस ऑफ वुमेन की अध्यक्षा ब्र.कु. डॉ. शुभदा नील ने बताया कि यदि सर्वाइकल एवं ब्रेस्ट कैंसर की प्रकृति व इसके कारणों की सूक्ष्मता से जाँच की जाए तो इसका सम्पूर्ण इलाज किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि एचपीवी वैक्सीन से सर्वाइकल कैंसर को रोका जा सकता है। साथ ही मेडिटेशन की भूमिका भी इसमें अति महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में फॉग्सी ऑन्कोलॉजी कमेटी की पूर्व अध्यक्षा जयदीप मल्होत्रा द्वारा अद्भुत मातृत्व विषय पर संकलित पुस्तक का विमोचन किया गया। इस अवसर पर माउण्ट आबू,ग्लोबल हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर के अध्यक्ष,कैंसर विशेषज्ञ डॉ. अशोक मेहता, विश्व प्रसिद्ध स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. शंकर नारायणन, डॉ. पार्था बसु व जी.बी. पंत हॉस्पिटल,दिल्ली के हृदयरोग विशेषज्ञ डॉ. मोहित गुप्ता ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में देश भर से अनेक वरिष्ठ चिकित्सकों ने शिरकत की।

- चिंता, भय और क्रोध भी बीमारी के प्रमुख कारण
- एचपीवी वैक्सीन से सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम संभव
- मेडिटेशन को अपने जीवनशैली का हिस्सा बनायें

खुश रहना है, तो मेडिटेशन को अपनायें

कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए गगन ज्योति, ब्र.कु. भारत भूषण, कुसुम शर्मा तथा ब्र.कु. सुदर्शन।

जम्मू-248 ए.बी.सी. रोड। रियासत के मुख्य सेवाकेन्द्र पर ब्रह्माकुमारीज़ के वैज्ञानिक एवं अभियंता प्रभाग द्वारा 'खुशनुमा जीवन जीने की कला' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कुसुम शर्मा,प्रिन्सीपल,रेवेन्यू ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट,जम्मू ने कहा कि आज के दौर की अव्यवस्थित परिस्थितियों में अपने परिवार, कार्यक्षेत्र और सामाजिक ज़िम्मेवारियों को सुचारू रूप से चलाने के लिए खुशनुमा जीवन जीने की कला सीखने की बहुत ज़रूरत है। हम सोचते थे कि विज्ञान सबसे बड़ी शक्ति है, परंतु यह विज्ञान भी मौन की शक्ति के बिना कुछ नहीं कर सकता। चीफ इंजीनियर गगन ज्योति ने कहा कि मैं व्यक्तिगत तौर पर यह अनुभव करता हूँ कि आज के तनावपूर्ण जीवन में सहज राजयोग मेडिटेशन सीखना अति आवश्यक है। अगर हमारा मन शांत और स्थिर होगा, तभी हम जीवन के हर क्षेत्र में चाहे पारिवारिक, कार्यस्थल या सामाजिक ज़िम्मेवारियाँ हों, सभी को अच्छे से निभा सकेंगे। राजयोगी ब्र.कु. भारत भूषण,प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक,पानीपत ने कहा कि वातावरण को दूषित करने में हमारे विचारों का बहुत बड़ा हाथ है, जिसके कारण समस्त मनुष्य जाति दुःखी है। इससे मुक्ति का एकमात्र साधन राजयोग मेडिटेशन ही है। ब्र.कु. किरण,पानीपत ने सभा को कॉमेन्ट्री द्वारा राजयोग मेडिटेशन की गहन अनुभूति कराई। राजयोगिनी ब्र.कु. सुदर्शन दीदी ने सभी का स्वागत किया तथा अपने आशीर्वचन से लाभान्वित किया। सभा में उपस्थित सभी वैज्ञानिकों व अभियंताओं ने ब्रह्माकुमारीज़ के इस अनूठे प्रयास की भूरी-भूरी प्रशंसा की।

परमात्म कार्य को आगे बढ़ा रही हैं ब्रह्माकुमारियाँ

कोरबा-छ.ग.। एस.ई.सी.एल. बल्गी में राजयोग मेडिटेशन केन्द्र का शुभारंभ किया गया। इस उद्घाटन कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए ओशांक भीमटे,कोलयरी इंजीनियर, एस.ई.सी.एल. बल्गी ने कहा कि मानव जीवन का उद्देश्य केवल पढ़ाई, जॉब, शादी और बच्चे ही नहीं हैं। इसके अलावा भी जीवन में कुछ और करने के लिए है जो हमें ब्रह्माकुमारीज़ में बताया जाता है। उन्होंने हर्ष ज़ाहिर करते हुए कहा कि यह मेडिटेशन केन्द्र सभी के लिये सदा खुला है, सभी इसका भरपूर लाभ ले सकते हैं। स्वप्निल थवाईत,अंडर मैनेजर ने कहा कि यह केन्द्र हमारे बल्गी के कामगार साथियों के लिए बहुत अच्छा है। हम यहाँ आकर शांति की अनुभूति कर सकते हैं। मस्तूल सिंह कंवर,पार्षद ने कहा कि हम धन्यवाद देते हैं ब्रह्माकुमारी बहनों को जो शुभभावना के साथ हमारे जीवन में सच्ची सुख शांति लाने के लिए यह कार्य कर रही हैं। रामकुमार साहू,ए.जी.एम.एन.टी.पी.सी. ने कहा कि मैं इस संस्था से विगत 28 वर्षों से जुड़ा हूँ। मैंने तभी से देखा है कि किस प्रकार ये पवित्र बहनें निःस्वार्थ भाव से मानव सेवा अर्थ अपना जीवन समर्पित कर देती हैं। इस चकाचौंध भरी दुनिया में इनके त्याग और तपस्या को देखकर लगता है कि यही सच्चा जीवन है और इसीलिए मैं इस संस्था से जुड़कर अपना भाग्य बना रहा हूँ। ब्र.कु. रुक्मणि,सेवाकेन्द्र संचालिका ने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्था परमात्मा के द्वारा दिया गया सच्चा ज्ञान जन जन तक पहुँचाने का काम करती है ताकि हरेक मानव के जीवन में सुख शांति हो। ब्र.कु. राजश्री ने मेडिटेशन कराया। इस अवसर पर अंडर मैनेजर बी.डी. सिंह, महिला मंडल बल्गी के सदस्य तथा बल्गी के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

धरा पर परमात्मा शिव के कर्त्तव्य को सभी ने जाना

मैसूर-कर्नाटक। श्री शिवरात्रिश्वर शिवयोगी,सुत्तूर के जात्रा जुबली सेलिब्रेशन्स में ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा 18 फीट लम्बे शिवलिंग दर्शन का आयोजन किया गया। इसके साथ ही ज्ञान दर्शन तथा वर्ल्ड ट्रांज़ीशन प्रदर्शनी तथा परमानेंट यौगिक मूवी शो का भी आयोजन किया गया। लगभग दस लाख लोगों ने शिवलिंग दर्शन किया, जिसमें कई संत महात्मायें, विधायक गण तथा अन्य गणमान्य लोग शामिल रहे। मेले में शिवलिंग दर्शन मुख्य आकर्षण का केन्द्र रहा। सुत्तूर पीठाधीश्वर, चन्नागिरी पीठाधीश्वर, पूर्व विधायक वासु, ब्र.कु. प्रभामणि, ब्र.कु. प्रणेश तथा अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर

समारोह का शुभारंभ किया। कृषि संगोष्ठी में भाग लेने के पश्चात् क्षेत्रीय निदेशिका ब्र.कु. लक्ष्मी ने कहा कि किसान देश की रीढ़ बनकर अपने जीवन से खुश हैं। किसी भी बात की परवाह किये बिना वे अपनी मेहनत में भगवान को देखेंगे। लेकिन फिलहाल के कुछ वर्षों में किसानों द्वारा आत्महत्या में बढ़ोतरी होती जा रही है, जिसका कारण फसल के प्रति सहयोग की कमी है। उन्होंने कहा कि किसानों को अपने मन को आंतरिक तथा बाह्य दोनों रूपों से एकजुट करना होगा। मनुष्य को धैर्य, साहस और मनोबल विकसित करना होगा ताकि वह कुछ हासिल कर सके। उन्होंने बताया कि ईश्वर की याद और अच्छे इरादों के साथ सफलता मिलती है। अंत में ब्र.कु. लक्ष्मी को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पचास से अधिक ब्र.कु. भाई बहनों ने उपस्थित रहकर शिवलिंग दर्शन के लिए आने वाले लोगों को जीवन के लिए खुशखबरी देने के साथ स्वास्थ्य के प्रति जागरुक किया।

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/15-17, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2015-17, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 3rd Mar 2019
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, प्रकाशक: ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ) के लिए प्रकाशित एवं डी.बी.प्रिंट सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।